खेलगांव में हुआ आईआईएम रांची का 8वां दीक्षांत समारोह, निदेशक बोले

2021 में एचईसी में बन रहे आईआईएम के अपने भवन में होगा 10वां दीक्षांत

मंत्री जयंत सिन्हा, आईआईएम निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह के सथ पांच विभागों के टॉप 3 स्टूडेंट्स। सभी 15 स्टूडेंट्स को मिला उत्कृष्ट प्रदर्शन का मेडल।

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची का 8वां दीक्षांत समारोह शनिवार को खेलगांव स्थित डॉ. रामदयाल मुंडा सभागार में हुआ। इसमें 8 स्टूडेंट्स को प्रबंधन में पीएचडी की उपाधी दी गई। वहीं, 268 स्टूडेंट्स को डिग्री व डिप्लोमा प्रदान किया गया। इनमें एमबीए के 179, एमबीए-एचआरएम के 62, पीजीईएक्सपी के 27 स्टूडेंट्स रहे। मुख्य अतिथि ने केंद्रीय राज्य मंत्री (नागरिक उड्डयन) जयंत सिन्हा स्टूडेंट्स को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मेडल दिए। आईआईएम रांची बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पांड्या ने सभी स्टूडेंट्स को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किया।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह ने बताया कि संस्थान का डिप्लोमा कोर्स अब डिग्री और फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) पीएचडी बन गया है। यह भी बताया कि 8.75 से अधिक सीजीपीए पाने वाले स्टूडेंट्स को रोल ऑफ ऑनर में प्रवेश दिया जाता है, और इस वर्ष 2017-19 बैच से 4 स्टूडेंट्स को यह उपलब्धी मिली है। उन्होंने आईआईएम रांची की संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. तनुश्री दत्ता को आईआईएम रांची में प्रोफेसर ऑफ द ईयर के रूप में नामित किए जाने के लिए बधाई दी। बताया कि आईआईएम का अपना स्थायी कैंपस एचईसी में 6.4 एकड़ क्षेत्र में बन रहा है। झारखंड सरकार की ओर से 21 अप्रैल 2016 को यहां भूमि दी गई थी। यहां भवन निर्माण का काम जारी है। प्रो. शैलेंद्र ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपना 10वां दीक्षांत समारोह मार्च 2021 में आईआईएम रांची के अपने कैंपस में मनाएंगे। बताया कि आईआईएम रांची ने 2017-19 बैच के फाइनल और 2018-20 बैच के लिए समर, दोनों में 100 % प्लेसमेंट हासिल किया है।

8 स्टूडेंट्स को प्रबंधन में पीएचडी, 15 को उत्कृष्टता का मेडल

कुल 268 स्टूडेंट्स को डिग्री व डिप्लोमा

एमबीए - 179, एमबीए-एचआरएम - 62, पीजीईएक्सपी - 27

देश मैनुफैक्चरिंग में पीछे, यहां अवसर : प्रवीण शंकर पांड्या

प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा, 'हम मैनुफैक्चरिंग में पिछड़ रहे हैं, जिससे आयात पर निर्भरता बढ़ रही है। इस क्षेत्र में अवसर है और भारतीय उद्योग को विकसित करने की आवश्यकता है। आईटी उद्योग वैसी नौकरियों की पेशकश करने में सक्षम नहीं होगा, जो युवाओं को चाहिए। इसलिए युवा दिमाग को उद्यमी बनना चाहिए। स्टूडेंट्स पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें, फिर बिना दाएं-बाएं देखे उसके लिए ईमानदारी से काम करते रहें।'

पैरेंट्स व फ्रेंड्स के बिना ये सफलता नहीं मिलती, उनके लिए खड़े होकर तालियां बजाएं : जयंत सिन्हा

जयंत सिन्हा ने स्टूडेंट्स से कहा, 'यह दीक्षांत समारोह आपके पेशेवर जीवन में एक ऐतिहासिक क्षण है। आपको और संस्थान को इसके लिए बधाई। इस सफलता का बड़ा श्रेय आपके पैरेंट्स व फ्रेंड्स को भी जाता है। इसलिए आप सभी अपने स्थान पर खड़े हों और उनके लिए तालियां बजाकर उनका धन्यवाद करें।'

Dainik Bhaskar, 17.03.2019, Pg. 1